आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई– II	कामायनी (लज्जा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई– III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ – महादेवी वर्मा 2) पहाडी बच्चा – निर्मल पुतुल 3) कूडा बीनते बच्चे – अनामिका 4) जिंदगी का नमक – निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध – गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई– IV	1) बात बोलेगी – शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम – शमशेर बहादुर सिंह 3) भारत की आरती – शमशेर बहादुर सिंह 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) मोचीराम – धूमिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।

भाषाविज्ञान

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ।
इकाई– II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन।
इकाई– III	रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।
इकाई– IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई– I	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण।
इकाई– II	आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य। अमीर खुसरो की हिंदी कविता।
इकाई– III	भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, आलवार संत, भक्तिकाल का प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य। निर्गुण धारा के कवि : कबीर, रैदास, दादू, नामदेव, जायसी, कुतुबन, मंझन। सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, नंददास, तुलसीदास, नाभादास।
इकाई– IV	रीतिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। बिहारी, केशव, घनानंद, देवा, भूषण, बोधा, आलम, ठाकुर।

संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

इकाई– I	संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप। संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप। संचार के संघटक तत्व। संचार–माध्यमों से लाभ–हानि।
इकाई– II	सूचना क्रांति बनाम सूचना–उद्योग। संचार माध्यम के प्रकार : 1) परंपरागत, 2) मौखिक, 3) लिखित, 4) आधुनिक।
इकाई– III	आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय, 5) बहुमाध्यम, 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।
इकाई– IV	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण, 3) जन प्रबोधन, 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन। वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।